

Marketing of L.P.G. Produced by H.P.C. and Caltex

5749. SHRI G. NARSIMHA REDDY : Will the Minister of PETROLEUM AND CHEMICALS AND FERTILIZERS be pleased to state:

(a) whether the Liquid Petroleum Gas produced by the Hindustan Petroleum Corporation and Caltex Oil Refining Company is still marketed through two or three sole concessionaires;

(b) whether Government wants to eliminate these intermediaries; if so, when the agreements with the sole concessionaires expire; and

(c) whether any memorandum has been presented to him by the Andhra Pradesh Cooking Gas Dealers Association and if so, what action is being taken?

THE MINISTER OF PETROLEUM CHEMICALS AND FERTILIZERS (SHRI H. N. BAHUGUNA): (a) Hindustan Petroleum Corporation market their production of cooking gas through two main distributors except for a small quantity marketed directly for industrial consumers. M/s Caltex also market cooking gas partly through a network of distributors engaged by them directly and partly through two main concessionaires.

(b) The two agreements of HPCL with their main distributors will expire in September, 1977 and September, 1978 respectively. The two agreements of M/s. Caltex with their main concessionaires are terminable by notice of 12 months.

Steps are being taken to arrange the marketing of LPG through the Public Sector on the expiry of these agreements.

(c) The Andhra Pradesh Cooking Gas Dealers Association have submitted a memorandum which asks for a revision in the commission to the retail agents of LPG of Caltex. This matter has also been looked into by the Oil Prices Committee whose final report is at present under examination of Government.

अन्धेरी तथा ग्रांट रोड स्टेशनों पर चाय की दुकानों के लिए ठेके देने के लिये नये आवेदन पत्र मंगाने का प्रस्ताव

5750. श्री नबाब सिंह चौहान : क्या रेल मंत्री महाराष्ट्र में चाय तथा अन्य वस्तुओं की दुकानों के ठेकों के बारे में दिनांक 5-7-77 के अतारंकित प्रश्न संख्या 2598 के उत्तर के बारे में यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या नियमानुसार काम को सुनिश्चित करने के लिए सरकार का विचार अन्धेरी और ग्रांट रोड स्टेशनों पर चाय की दुकानों के ठेकों का फिर से आवंटन करके चाय की दुकानों तथा अन्य वस्तुओं की दुकानों के ठेके देने के बारे में एक समान नीति अपनाने का है ; और

(ख) क्या सरकार का विचार आपात स्थिति के दौरान आवंटित चाय की दुकानों के लिये नये आवेदनपत्र मंगाने का है ?

रेल मंत्री (प्रो० मधु बंडवते) : (क) और (ख) . स्टालों के ठेकों के आवंटन के लिए एक समान नीति का पहले से अनुपालन किया जा रहा है। नये आवेदनों को मंगाकर किसी ठेके के पुनरावंटन का प्रश्न उन मामलों में ही उठ सकता है जहाँ आपातस्थिति के दौरान दिये गये पुराने षके अनियमिन पाये जायें।

जहाँ तक अंधेरी और ग्रांट रोड स्टेशनों पर चाय-स्टाल के ठेकों का संबंध है, इस मामले की जांच की जा रही है।